यूपीआई के आने से लाइफ़ कितनी आसान हो गई,.... है ना.... बस चुटकी में पैसे ट्रांसफर.... बिल पेमेंट करना, किरानेवाले को पेमेंट करना.... यूपीआई इजी, सेफ और इंस्टेंट है.

मगर सावधान!!, जो आसान दिखता है उसे आपको ध्यान से चेक भी करना चाहिए.

कोई भी यूपीआई पेमेंट करने से पहले यूपीआई सेफ्टी शील्ड की सेफ्टी टिप्स को याद रखें. जितना आसान है यूपीआई को यूज करना, उतना ही आसान है उसे सेफ रखना.

पहली बात, जिसे पेमेंट करना है, उसका यूपीआई आईडी, एप से वेरीफाई करो.

पेमेंट करने से पहले चेक करो कि यूपीआई आईडी से लिंक जो नाम है, वो नाम उसी का हो, जिसको पैसे देने हैं.

दूसरी बात यह, यूपीआई पिन पेज है, ... पहचाना.... हर यूपीआई एप में आपको यूपीआई पिन इसी पेज पर एंटर करना है.

याद रहे, यूपीआई पिन पेमेंट करने के लिए होता है, पेमेंट रिसीव करने के लिए नहीं.... पिन एंटर.... मतलब पैसे कट... वैसे ही क्यूआर कोड स्कैन किया.... पिन एंटर किया.... मतलब पैसे कट. और हाँ अपना यूपीआई पिन किसी और के साथ शेयर ना करो. ना ही किसी वेबसाइट या ऑनलाइन फॉर्म में भरो. एक और बात.... पेमेंट करने के बाद अपना डेबिट एसएमएस चेक करो. और अगर बिना आपके जानकारी कोई डेबिट एसएमएस आ जाये,.... तो तुरंत अपने बैंक को इन्फॉर्म करो. आख़िरी बात, अगर आपके यूपीआई पेमेंट्स में कोई परेशानी आये, तो अपने यूपीआई एप में ही कम्प्लेंट रेज़ करो और अपने प्रॉब्लम का सॉल्यूशन पा लो. इधर–उधर इंटरनेट पर या किसी और से चेक ना करो. समझ गये ना? यूपीआई पेमेंट्स ने हमारी लाइफ़ को आसान जरूर बना दिया है और यूपीआई सेफ्टी शील्ड की यह ज़रूरी बातें याद रखना.... यह भी आसान है.

सेफ रहो, यूपीआई करो.